an>

Title: Regarding providing economic security to dependents of police personnel who lay their life in naxalite-encounter.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं एक महत्वपूर्ण विषय पर सदन का और माननीय मंत्री महोदय का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। देश में नक्सली मुठभेड़ में मारे गये जवान चाहे वे सी.आर.पी.एफ. के हों या पुलिस के जवान हों, इन लोगों को हम लोग शहीद कहते हैं। लेकिन उन शहीदों के परिवारों को जो सुविधाएँ मिलनी चाहिए, वे नहीं मिलती हैं। महराष्ट्र में गढ़चिरौली जिले में भी नक्सली मुठभेड़ और माओवादी मुठभेड़ में हमारे कई जवान शहीद हुए। उनके परिवार के लोगों को आज बहुत ही विकट परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उनकी जो विधवाएँ हैं, वे अपना जीवन निर्वाह बर्तन मांजकर करती हैं। मैं शून्यकाल के माध्यम से इसे सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि हमें उन शहीदों के परिवार को आर्थिक ताकत तथा नौकरी देने का एक नियम बनाना चाहिए जो शहीदों के काम आए।